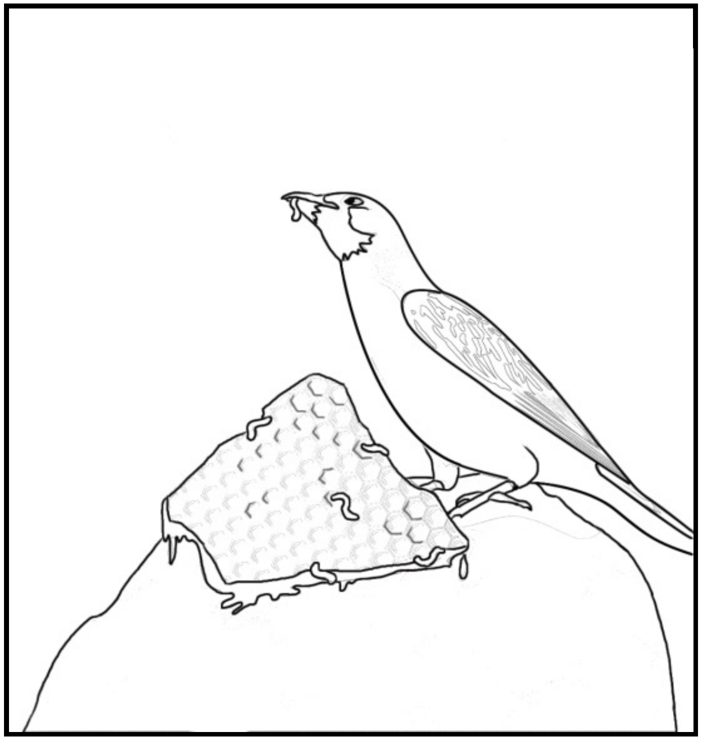

शहदखोज का बदला

Zulu folktale
Wiehan de Jager
Nandani
Hindi
Level 4

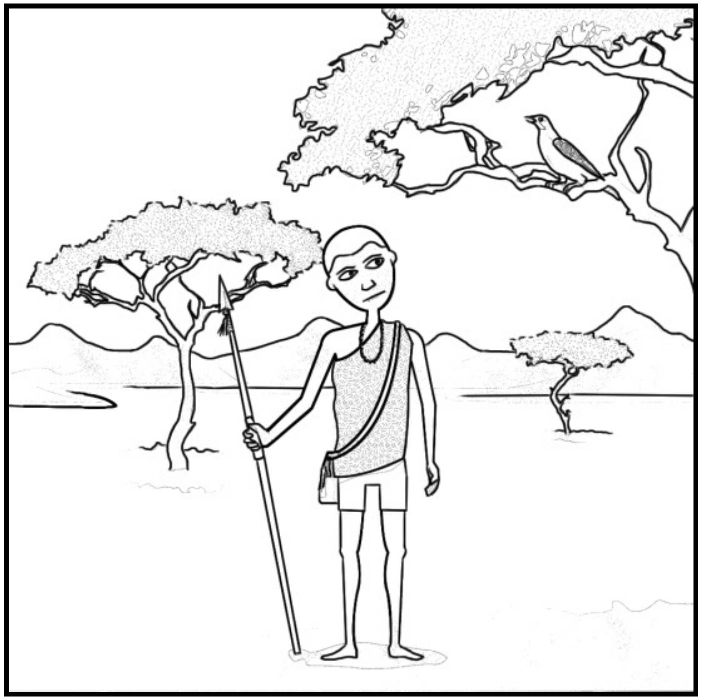

यह कहानी है नगेदे, एक शहदखोज और एक लालची युवक गिगिइल की। एक दिन जब गिगिइल शिकार के लिए बाहर गया था तो उसने नगेदे की आवाज़ सुनी। गिगिइल के मन मे शहद के बारे में सोच कर पानी आ गया। वह रुक गया, उसने ध्यान से सुना और ढूंढने लगा, जबतक कि उसे वह पक्षी अपने सर के ऊपर डालियों में बैठा नहीं दिख गया। “चीटिक, चीटिक, चीटिक,” एक से दूसरे पेड़, और अगले पेड़ पर जाते हुए पक्षी जोर से बोला। “चीटिक, चीटिक, चीटिक,” वह रुक रुक कर बोला, यह सुनिश्चित करते हुए कि गिगिइल उसके पीछे आ रहा है।

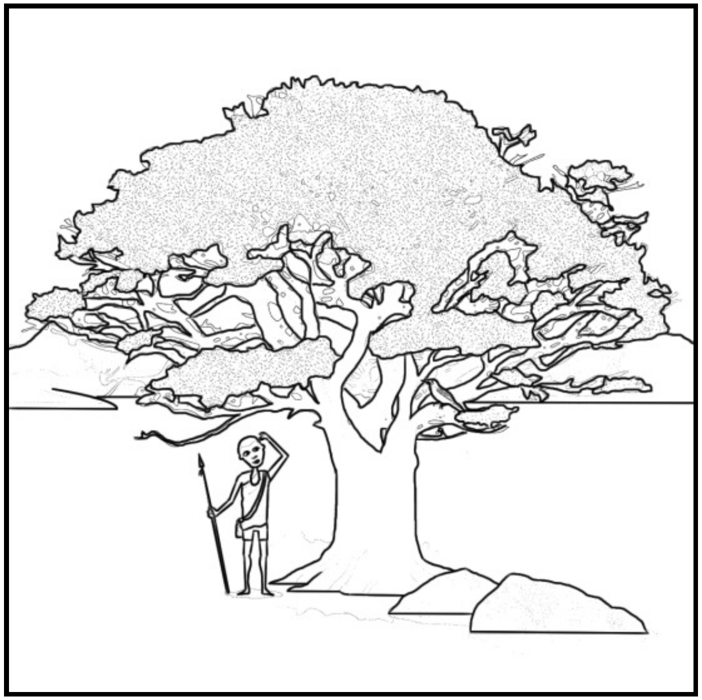

आधे घंटे बाद वे एक बड़े से अंजीर के पेड़ के पास पहुँचे। नगेदे डालियों में पागलों सा फुदकने लगा। फिर वह एक डाली पर बैठ गया और सर हिलाया, मानो वह कह रहा हो कि, “यहाँ है ये! आओ अब! इतना समय क्यों लगा रहे हो?” गिंगिइल को पेड़ पर कोई भी मधुमक्खी नहीं दिखी, लेकिन उसने नगेदे पर भरोसा किया।

इसलिए गिंगिइल ने अपना शिकार का सामान पेड़ के नीचे रख दिया, और कुछ सूखी टहनियां इक्कट्ठा की और एक छोटी सी आग जलाई। जब आग अच्छे से जलने लगी, तो उसने आग में एक लंबी सूखी लकड़ी आग के बीच में डाल दी। यह लकड़ी जलते हुए बहुत सारा धुंआ करने के लिए जानी जाती है। उसने चढ़ना शुरू किया, जलती हुई लकड़ी का ठंडा सिरा अपने मुँह मे डाले हुए।

जल्दी ही उसे काम मे लगी मधुमक्खियों की भनभनाहट सुनाई देने लगी। वे पेड़ के तने में छेद – उनके छत्ते में से अंदर-बाहर कर रही थीं। जब गिंगिइल छत्ते के पास पहुँचा उसने लकड़ी का धुआं वाला सिरा छेद में डाल दिया। मधुमक्खियां हड़बड़ा कर, गुस्से में बाहर निकली। वो बाहर उड़ गईं क्योंकि उन्हें धुआं नहीं पसंद – लेकिन इससे पहले वो गिंगिइल को कुछ दर्द भरे डंक दे गईं।

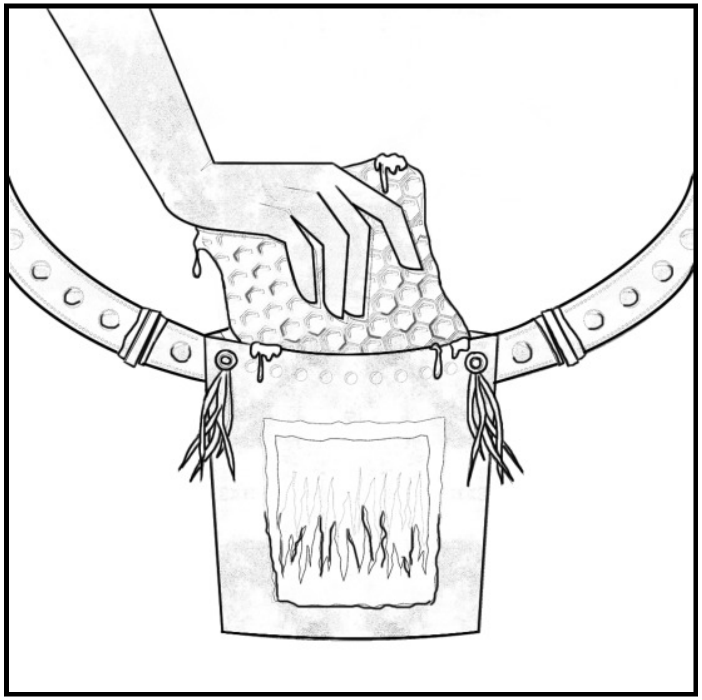

जब मधुमक्खियां बाहर चली गईं, गिगिइल ने अपना हाथ छत्ते में डाला। उसने हाथ भर भर कर छत्ता निकाला, जिसमे से अच्छा शहद बह रहा था, और अविकसित मधुमक्खी के अंडे भी थे। उसने छत्ते को ध्यान से अपने कंधे पर टंगी थैली में डाला, और नीचे उतरना शुरू किया।

गिंगिइल जो भी कर रहा था, नगेदे बहुत उत्सुकता से वह सब कुछ देख रहा था। वह उसका इंतज़ार कर रहा था कि वह शहद के छत्ते का एक मोटा भाग उसके लिए छोड़ देगा, शहदखोज को धन्यवाद के रूप में। नगेदे डाल-डाल पर झूल रहा था, जमीन के पास, और पास। आख़िरकार गिंगिइल पेड़ के नीचे पहुँच गया। नगेदे लड़के के पास एक पत्थर पर बैठ गया और अपने ईनाम का इंतजार करने लगा।

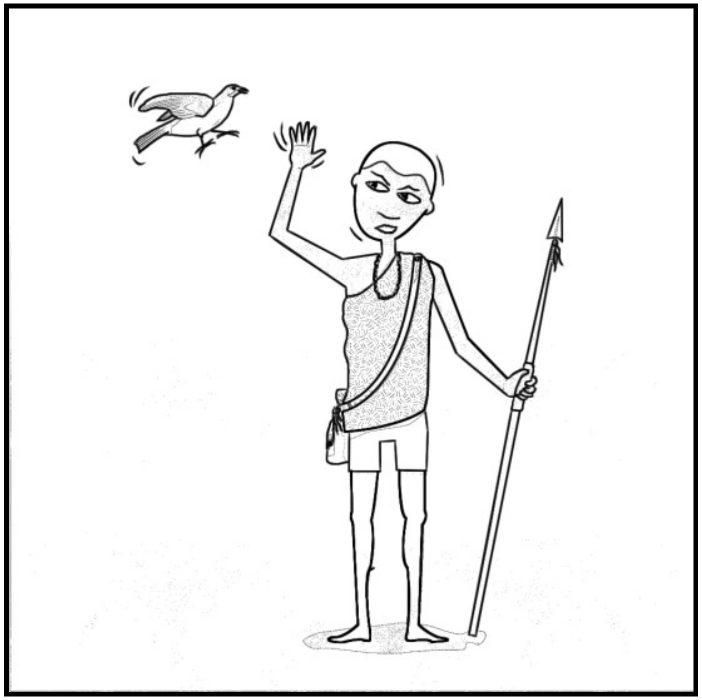

लेकिन, गिंगिइल ने आग बुझाई, अपना शिकार का सामान उठाया और घर की तरफ चलने लगा, पक्षी को नज़रअंदाज़ कर के। नगेदे गुस्से से चिल्लाया, “जय, जय!” गिंगिइल रुका, उसने पक्षी को घूरा और जोर से हँसा। “तुम्हें थोड़ा शहद चाहिए, चाहिए, मेरे दोस्त? हा! लेकिन सारा काम मैंने किया, और सारे डंक भी खाए। मुझे इस शहद अच्छे शहद को तुम्हारे साथ क्यों बाँटना चाहिए?” फिर वो चला गया। नगेदे बहुत गुस्से में था! यह कोई तरीका नहीं था उससे व्यवहार करने का! लेकिन वो अपना बदला लेगा।

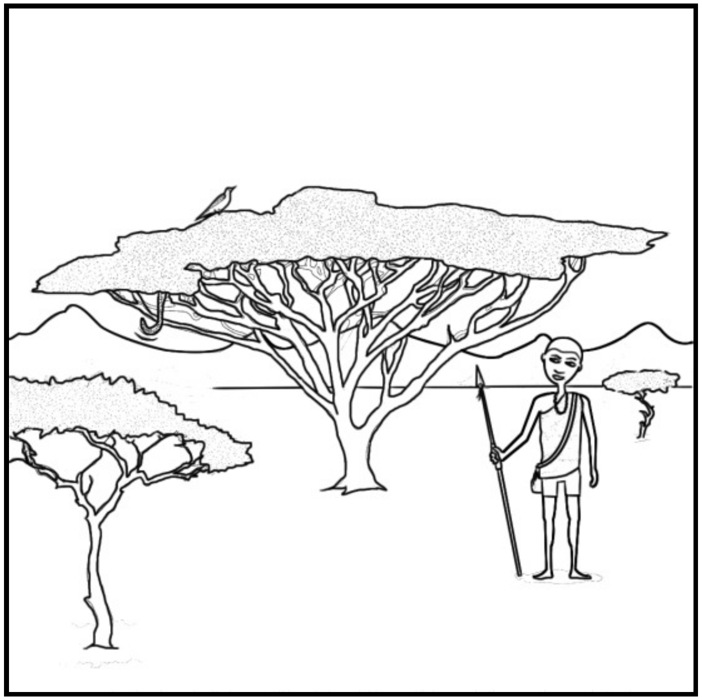

एक दिन कई हफ़्तों बाद गिंगिइल ने फिर नगेदे की शहद वाली आवाज़ सुनी। उसे स्वादिष्ट शहद याद आया और उसने फिर से पक्षी का पीछा किया। गिंगिइल को जंगल के छोर पर जाकर, नगेदे एक बड़े से बबूल के पेड़ पर आराम करने के लिए रुका। “आह,” गिंगिइल ने सोचा। “छत्ता जरूर इसी पेड़ में है।” उसने जल्दी से छोटी सी आग जलाई और चढ़ना शुरू किया, उसके मुँह में जलती हुई लकड़ी थी। नगेदे बैठा और सब देखा।

गिंगिइल चढ़ा, ये सोचते हुए कि उसे सामान्यत: सुनाई देने वाली भनभनाहट क्यों नहीं सुनाई दी। “शायद छत्ता पेड़ में गहराई पर है,” उसने मन में सोचा। वो दूसरी डाली की तरफ बढ़ा। लेकिन छत्ते की जगह, उसने उसने खुद को एक तेंदुए के चेहरे को घूरता पाया! तेंदुआ अपनी नींद बुरी तरह टूटने से बहुत गुस्से में थी। उसने अपनी आँखें छोटी की, अपना मुँह खोला अपने बहुत बड़े और पैने दांत दिखाने के लिए।

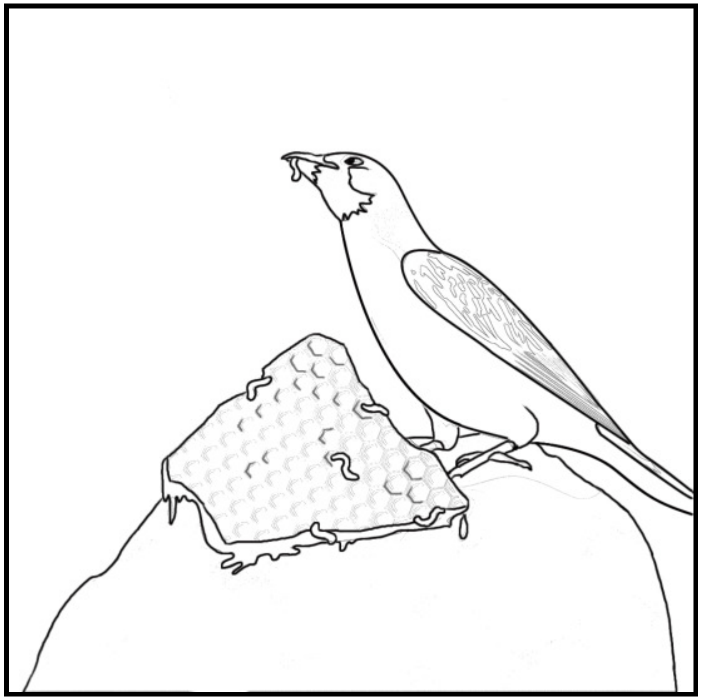

इससे पहले कि तेंदुआ गिंगिइल पर छलांग लगाता, वो हड़बड़ा कर पेड़ से नीचे आने लगा। जल्दबाज़ी में उस से एक डाल छूट गईी, वो बहुत जोर से जमीन पर गिरा, और उसका टखना मुड़ गया। वो लंगड़ाते हुए जितनी तेज भाग सकता था, भागा। उसकी खुशकिस्मत से, उसे पकड़ पाने के लिए, तेंदुआ अभी भी काफी नींद में थी। नगेदे, शहद का रास्ता दिखाने वाले पक्षी ने अपना बदला ले लिया था। और गिंगिइल ने अपनी सीख ले ली।

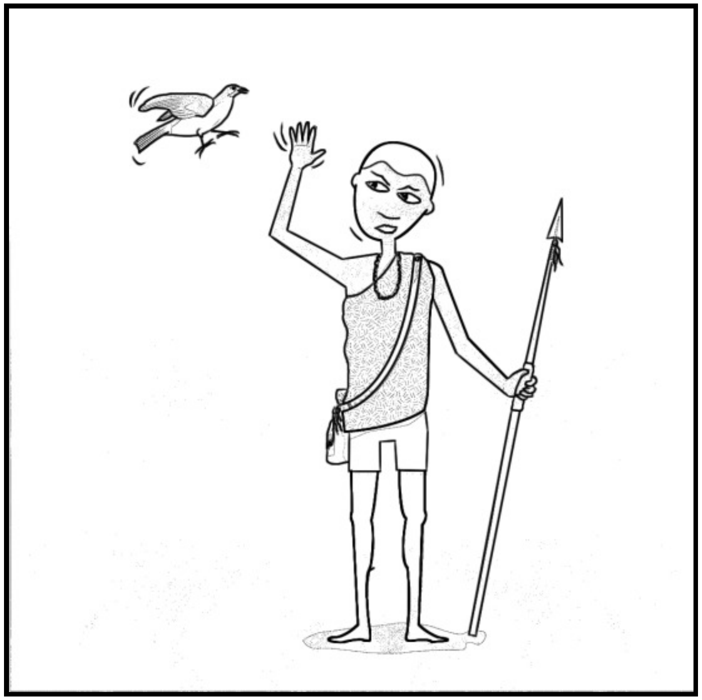

और इसलिए, जब गिंगिइल के बच्चों ने नगेदे की कहानी सुनी, उनके मन में इस छोटे पक्षी के लिए सम्मान था। जब भी वो शहद लेते थे, इस बात का ध्यान रखते थे कि वो छत्ते का सबसे बड़ा हिस्सा शहदखोज के लिए रखें!

Storybooks Outline

global-asp.github.io/storybooks-outline

शहदखोज का बदला

Written by: Zulu folktale
Illustrated by: Wiehan de Jager
Translated by: Nandani

This story originates from the African Storybook (africanstorybook.org) and is brought to you by Storybooks Outline in an effort to provide children's stories in the world's many languages.

This work is licensed under a Creative Commons
Attribution 3.0 International License.